निरीक्षण

ईसीजी मशीन बंद, डॉक्टर्स के नशे में ड्यूटी करने की शिकायत मिली थी

वारासिवनी सिविल अस्पताल पहुंचे विधायक पटेल

नवभारत, वारासिवनी। वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक विवेक विक्की पटेल ने आज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपायली का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की समस्त व्यवस्थाओं, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, स्वच्छता, दवा वितरण, उपचार व्यवस्था, स्टाफ की उपस्थिति एवं अस्पताल संचालन की गुणवत्ता का गंभीरता से अवलोकन किया गया। विधायक के अचानक निरीक्षण से स्वास्थ्य विभाग में सक्रियता और जवाबदेही का वातावरण दिखाई दिया।

इस अवसर पर मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. परेश उपल्ब, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यम शर्मा, मेडिकल ऑफिसर डॉ. किरण बांसोड, मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रिया बिसेन, सेक्टर सुपरवाइजर अनिल तिवारी, फार्मासिस्ट कार्तिक शरणागत, रेडियोग्राफर कपिल बघेल, कंप्यूटर ऑपरेटर नरसिंह नागपुरी एवं नर्सिंग ऑफिसर चांदनी साखरे सहित स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

निरीक्षण के दौरान जनपद सदस्य जीतू राजपूत, जगदीश बंसोड, ग्राम रामपायली के सरपंच संदीप बाघमारे, व्यापारिक संघ रामपायली अध्यक्ष केवल शिवहरे, ग्राम सोनझरा के पूर्व सरपंच बुद्धेश बिसेन एवं पूर्व उपसरपंच रजनीश नकाशे सहित अनेक ग्रामीणजन भी मौजूद रहे। सभी ने क्षेत्र की स्वास्थ्य समस्याओं एवं आवश्यकताओं से विधायक को अवगत कराते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के शीघ्र विस्तार एवं आधुनिक सुविधाओं की मांग रखी।

ग्रामीणों ने अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियमित उपलब्धता, पर्याप्त बेड व्यवस्था, आधुनिक जांच सुविधाएं, एक्स-रे एवं पैथोलॉजी सेवाओं को और मजबूत करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने तथा आपातकालीन उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग प्रमुखता से उठाई।

विधायक विवेक विक्की पटेल ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर, वार्ड, प्रसूति कक्ष, शौचालय एवं मरीज प्रतीक्षालय की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि मरीजों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि शासकीय अस्पताल जनता के विश्वास का केंद्र होते हैं और यहां आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान ओपीडी कक्ष, दवा वितरण कक्ष, प्रसूति वार्ड, टीकाकरण कक्ष, रिकॉर्ड संधारण व्यवस्था एवं मरीज पंजीयन प्रणाली का भी अवलोकन किया गया। विधायक ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल में आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण हमेशा उपलब्ध रहे तथा किसी भी मरीज को अनावश्यक रूप से बाहर से दवा खरीदने की स्थिति निर्मित न हो।

उन्होंने स्वास्थ्य स्टाफ को समय पर उपस्थित रहकर मरीजों को बेहतर उपचार देने, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की विशेष देखभाल करने, नियमित टीकाकरण अभियान चलाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि शासन की सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ पहुंचना चाहिए।

मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. परेश उपल्ब एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यम शर्मा ने भी अस्पताल की वर्तमान व्यवस्थाओं एवं भविष्य की आवश्यकताओं की जानकारी विधायक को दी। मेडिकल ऑफिसर डॉ. किरण बांसोड एवं डॉ. प्रिया बिसेन ने मरीजों की बढ़ती संख्या एवं संसाधनों की जरूरत पर चर्चा की। वहीं फार्मासिस्ट कार्तिक शरणागत, रेडियोग्राफर कपिल बघेल, सेक्टर सुपरवाइजर अनिल तिवारी, कंप्यूटर ऑपरेटर नरसिंह नागपुरी एवं नर्सिंग ऑफिसर चांदनी साखरे द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी गई।

अंत में विधायक विवेक विक्की पटेल ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित सभी शासकीय अस्पताल जनता की सेवा के लिए समर्पित हैं। नागरिकों को चाहिए कि वे सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध नि:शुल्क दवाइयों, जांच सुविधाओं, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य स्वास्थ्य योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें। उन्होंने कहा कि जनता की बेहतर स्वास्थ्य सुविधा ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा रामपायली स्वास्थ्य केन्द्र की आवश्यक समस्याओं के समाधान एवं विस्तार के लिए हर संभव प्रयास मेरे द्वारा किए जाएंगे।

विरोधियों के हथकंडे बेअसर, विकास कार्यों की पारदर्शिता बनी अनीश खान की सबसे बड़ी ताकत

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले की पांढरवानी ग्राम पंचायत इन दिनों विकास कार्यों और पारदर्शी प्रशासन को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई है। पंचायत से जुड़े लोगों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधि अनीश खान के खिलाफ वर्षों से विरोधियों द्वारा अलग-अलग प्रकार की शिकायतें और आरोप लगाने की कोशिशें की जाती रही हैं, लेकिन अब तक किसी भी मामले में ठोस अनियमितता सामने नहीं आ सकी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले लगभग 10 वर्षों में कई बार पंचायत के कार्यों को लेकर शिकायतें की गईं, जांच की मांग उठाई गई, लेकिन हर बार दस्तावेज़ और नियमों के अनुसार कार्य होने के कारण शिकायतकर्ताओं को कोई विशेष सफलता नहीं मिली। पंचायत से जुड़े लोगों का कहना है कि अनीश खान बिना दस्तावेज़ और

प्रशासनिक स्वीकृति के कोई भी कार्य नहीं करवाते तथा हर निर्माण कार्य को नियमानुसार पूरा कराया जाता है।

बताया जाता है कि पंचायत में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता को लेकर अनीश खान स्वयं काफी सजग रहते हैं। यही कारण है कि कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को भी मौके पर बुलाकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण कराया जाता है, ताकि कार्यों को लेकर किसी प्रकार की शंका न रहे।

ग्रामीणों का कहना है कि पांढरवानी ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्य अब अन्य पंचायतों के लिए भी उदाहरण बनते जा रहे हैं। महाकौशल क्षेत्र की कई पंचायतों के प्रतिनिधि यहां पहुंचकर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, योजना क्रियान्वयन और विकास मॉडल को देख चुके हैं। पंचायत स्तर पर सड़क, भवन और अन्य जनहित कार्यों को जिस तरीके से व्यवस्थित रूप से किया गया है, उसकी चर्चा क्षेत्रभर में हो रही है।

क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि पंचायत की बढ़ती लोकप्रियता और विकास कार्यों की सराहना से कुछ विरोधी राजनीतिक और व्यक्तिगत स्तर पर लगातार नए तरीके अपनाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन पंचायत समर्थकों का दावा है कि पारदर्शिता और नियमों के पालन के कारण ऐसे प्रयास सफल नहीं हो पा रहे हैं।

सोनझरा में ग्रामीणों को दिखाया गया जल परीक्षण

बालाघाट। बालाघाट जिले में जल गुणवत्ता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकासखंड वारासिवनी की ग्राम पंचायत सोनझरा में जल परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नल चालक द्वारा सरपंच की उपस्थिति में एफटीके (फील्ड टेस्ट किट) के माध्यम से ग्रामीणों को पानी की गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया का प्रदर्शन कर जानकारी दी गई। इस दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि पेयजल की नियमित जांच करना स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। एफटीके किट के माध्यम से पानी में मौजूद विभिन्न तत्वों की प्राथमिक स्तर पर जांच कर उसकी गुणवत्ता का आकलन किया जा सकता है। नल चालक ने ग्रामीणों के सामने जल नमूनों की जांच कर यह समझाया कि किस प्रकार पानी में गंदगी अथवा अशुद्धि की पहचान की जाती है।

प्री-प्राइमरी एवं नर्सरी स्कूलों के लिए मान्यता अनिवार्य, बिना पंजीयन संचालन पर होगी कार्रवाई

बालाघाट। शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 की धारा-11 तथा राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा नीति 2013 के प्रावधानों के तहत जिले में संचालित सभी निजी एवं शासकीय शाला पूर्व शिक्षा केन्द्रों, प्री-प्राइमरी एवं नर्सरी स्कूलों को संचालन से पूर्व महिला एवं बाल विकास विभाग से मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीपमाला मंगोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बिना मान्यता अथवा मान्यता निरस्त होने के बाद किसी भी शाला पूर्व शिक्षा केन्द्र का संचालन करना दंडनीय माना जाएगा। विभाग द्वारा ऐसे संस्थानों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के सभी निजी एवं शासकीय प्री-प्राइमरी एवं नर्सरी स्कूल संचालकों को महिला एवं बाल विकास विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए संचालक विभागीय पोर्टल https://mpwedmis.gov.in/PreSchool/PSE.aspx पर जाकर आवेदन एवं पंजीयन की प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बालाघाट जिले में स्थित सभी स्कूल संचालकों से निर्धारित नियमों एवं मानकों का पालन करते हुए समय पर पंजीयन कराने की अपील की है, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना पंजीयन संचालित प्री-प्राइमरी एवं नर्सरी स्कूल पाए जाने पर विभाग द्वारा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सरदार पटेल यूनिवर्सिटी पर फिर लगे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के आरोप

नवभारत, बालाघाट। बीएससी नर्सिंग, बीएचएमएस के छात्रों के भविष्य से खिलवाड करने के बाद अब सरदार पटेल यूनिवर्सिटी पर यूनिवर्सिटी से जीएनएम कोर्स करनी वाली खत्राओ के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के आरोप लगे है, बुधवार को 5 वर्ष पूर्व कर्ज लेकर जीएनएम में एडमिशन कराने वाली छत्राओं ने यूनिवर्सिटी से परेशान होकर आखिरकार ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात कर अपनी व्यथा सुनाई और उनके साथ हुए खिलवाड़ की जानकारी मीडिया के सामने भी साझा की।

छात्राओं की माने तो सरदार पटेल यूनिवर्सिटी से जीएनएम की पढ़ाई कर रही छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। जहा करीब 3 वर्ष में पूरा होने वाला जनरल नसिंग एंड मिडवाइफरी कोर्स, 5 वर्ष गुजर जाने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है। छात्राओं की माने तो वर्ष 2022 में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की 3 वर्ष बाद मई 2025 में प्रथम वर्ष की परीक्षा ली गई थी, जिसका परीक्षा परिणाम । वर्ष बाद 2026 में भी आज तक घोषित नहीं किया गया है। जिससे छात्राएं 5 वर्ष से केवल प्रथम वर्ष की ही पढ़ाई कर रही है। उधर प्रथम वर्ष का रिजल्ट ना आने के चलते इन छात्राओं की द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की नियमित पढ़ाई और परीक्षाएं भी अब तक नहीं कराई गई है। जिससे छात्राएं काफी परेशान है। लांजी से पहुंची ज्योति बहेटवार ने बताया कि बेहतर भविष्य और रोजगार की उम्मीद में कर्ज लेकर जीएनएम कोर्स में प्रवेश लिया था, लेकिन अब उनकी जिंदगी और करियर दोनों संकट में पड़ गए हैं। उन्होने बताया कि प्रवेश के समय उन्हें तीन वर्ष में कोर्स पूर्ण कराने और समय पर परीक्षा व रिजल्ट देने का भरोसा दिया गया था, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत निकली। पढ़ाई नियमित नहीं हुई, प्रैक्टिकल में देरी हुई और परीक्षा भी वर्षों बाद आयोजित की गई। अब रिजल्ट लंबित होने से वे आगे की कक्षाओं में प्रवेश और नौकरी के अवसरों से भी वंचित हो रही हैं।

इसी तरह नागपुर महाराष्ट्र से बालाघाट जिले के सरदार पटेल यूनिवर्सिटी में जीएनएम का कोर्स करने पहुंची चितेश्वरी राउते ने बताया कि महाराष्ट्र में कोर्स की अधिक फीस लगने के कारण उन्होने मध्यप्रदेश से अपना कोर्स करने की सोची और सरदार पटेल यूनिवर्सिटी पहुंची जहां एडमिशन के दौरान कॉलेज प्रबंधन ने कहा था कि साढ़े 3 साल में कोर्स पूरा हो जाएगा और डिग्री मिल जाएगी। लेकिन 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रथम वर्ष की पढ़ाई पूरी नहीं हो पाई है। हमने मई 2025 में प्रथम वर्ष की एग्जाम दिए थे, जिसका रिजल्ट आज तक जारी नहीं हुआ है। कॉलेज प्रबंधन के पास समस्या लेकर जाओ तो वह हमें भेड़-बकरी कहकर संबोधित करते हैं और भगा देते हैं, हमने इस पढ़ाई के लिए महिला समूह से लोन लिया है फिर भी हमारी पढ़ाई पूरी नहीं हुई। 5 वर्ष हो गए अब तक डिग्री हाथ में नहीं मिली है, जबकि 1 वर्ष की पढ़ाई में करीब 1 लाख का खर्चा आता है, परिवार वाले भी हमारी इस पढ़ाई से परेशान हो चुके हैं। हमारी मांग है कि 1 वर्ष के भीतर पूरी पढ़ाई कराकर डिग्री कंप्लीट की जाए। ताकि हम नौकरी कर अपना कर्ज उतार सके।

इधर उक्त मामले में ओबीसी महासभा प्रदेश अध्यक्ष सौरभ लोधी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से सरदार पटेल यूनिवर्सिटी की लगातार शिकायते सामने आ रही है आज भी कुछ छात्राएं आई हैं इन्होंने 5 वर्ष पूर्व जीएनएम की पढ़ाई के लिए वर्ष 2022 में एडमिशन लिया था, यह कोर्स 2025 में पूरा हो जाना था और उन्हें डिग्री मिल जाना था, लेकिन आज तक उनके प्रथम वर्ष का रिजल्ट भी जारी नहीं किया गया है। मई 2025 में प्रथम वर्ष की एग्जाम ली गई उसके परीक्षा परिणाम अब तक नहीं आए हैं. इससे छात्राएं परेशान हैं। हमने प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन को इस समस्या को दूर करने के लिए 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। यदि समय सीमा के भीतर समस्या समाधान नहीं किया जाता तो आंदोलन कॉलेज का घेराव किया जाएगा।

अटल पेंशन योजना में बालाघाट को राष्ट्रीय सम्मान

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बालाघाट देश में तृतीय एवं प्रदेश में प्रथम स्थान पर

नवभारत, बालाघाट। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित अटल पेंशन योजना वार्षिक अभिनंदन समारोह 2026 में मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर गौरव हासिल किया है। अटल पेंशन योजना के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं निर्धारित लक्ष्यों की सफल पूर्ति करने पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट को देश में तृतीय एवं मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

इस उपलब्धि के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिनव सिंह बघेल को नई दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सहकारिता क्षेत्र, अपेक्स बैंक भोपाल, नाबार्ड तथा जिले के बैंक एवं सहकारी समितियों के अधिकारियों-कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है।

राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त होने पर सीईओ श्री बघेल ने कहा कि इस सफलता का श्रेय बालाघाट कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना को जाता है, जिनके सतत मार्गदर्शन, समय-समय पर दिए गए निर्देशों एवं निरंतर मॉनिटरिंग से यह उपलब्धि संभव हो सकी। उन्होंने कहा कि कलेक्टर श्री मीना ने हमेशा लक्ष्य से अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। श्री बघेल ने बताया कि बैंक मुख्यालय के अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं जमीनी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण एवं समय पर कार्य पूर्ण करने की प्रतिबद्धता के कारण ही बैंक को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

उल्लेखनीय है कि देश के नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 9 मई 2015 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोलकाता में अटल पेंशन योजना की शुरुआत की गई थी। वर्ष 2025-26 में देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एपीवाई सेवा प्रदाताओं, बैंक शाखाओं एवं जिला प्रबंधकों को सम्मानित करने के लिए 20 मई 2026 को नई दिल्ली में वार्षिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें बालाघाट को यह गौरवपूर्ण सम्मान प्राप्त हुआ।

सीईओ श्री बघेल ने कहा कि भविष्य में भी जिला प्रशासन एवं बैंक की पूरी टीम इसी तरह सकारात्मक कार्य करते हुए आम जनता और अमानतदारों की सेवा में नए कीर्तिमान स्थापित करती रहेगी। इस उपलब्धि पर पी. जोशी, अशोक भवरे, श्रीमती सीमा दुबे, सतीश कोरी, सारंग बिसेन, नेहा मंडलोई, श्वेता दहले, रौनक चौकसे, रोशनी बिसेन, आशीष मिश्रा, ऋषि कुमार बिसेन, सुनील रहांगडाले, प्रकाश साहू, ऋषि हरिनखेड़े, मोरेश्वर फुंडे, ज्ञानचंद नेवारे, जयकुमार नंदनवार, आई.आर. भगत, मुकेश ठाकरे, गिरीश हनवत, रत्नघोष भूरे, दीपक देशमुख, राजेश दुबे, अनिरुद्ध वागदे, दीनदयाल ठाकरे, दिलीप रामटेके, श्रीमती भूमेश्वरी नागेश्वर, श्रीमती लता गौतम, अमरेश परिहार, नीरज बिसेन एवं आशीष खोब्रागढ़े सहित बैंक एवं सहकारिता क्षेत्र के अनेक अधिकारियों-कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

जीआरपी ने चोरी का मोबाइल बरामद किया

जबलपुर, नवभारत। मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक से गुरुवार को एक शातिर मोबाइल चोर पकड़ा गया। जबलपुर जीआरपी थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 21 मई को पुष्पेंद्र सिंह पिता लल्लू सिंह 18 निवासी ग्राम देवई थाना मझौली जिला सीधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 1 पर नासिक जाने के लिये ट्रेन का इंतजार कर रहा था इस दौरान उसे नींद आने पर लेट गया और नींद खुली तो पाया की पेंट की जेब में रखा मोबाइल पोको सी 78 गायब था। जिसके बाद पुष्पेंद्र ने जीआरपी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई विवेचना के दौरान स्टेशन पर संदिग्धों को चेक किया गया जो रेलवे स्टेशन के 6 टॉयलेट के पास आड़ लेकर छुप रहे लड़के से पूछताछ की तो उसने मोबाइल चोरी करने की बात स्वीकार की। आरोपी की पहचान मौसीन अंसारी पिता अज्जू उर्फ बुनियाद उम्र 18 वर्ष निवासी दरगाह के पास हनुमान ताल के रूप में हुई है। रिकॉर्ड चेक करने पर आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड होना भी पाया गया है।

31 करोड़ के ऋण से संवरी 13 हजार परिवारों की जिंदगी

नवभारत,जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर अपनी सफलता का परचम लहराया है। नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में पीएम स्वनिधि योजना के तहत एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया गया है। योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन के चलते जबलपुर नगर निगम को पूरे देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है, जिसके लिए भारत सरकार द्वारा भी नगर निगम की सराहना की गई है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि मात्र 9 माह में 13 हजार परिवारों को व्यवसाय से जोड़ने की जो ऐतिहासिक उपलब्धि नगर निगम को प्राप्त हुई है उसके लिए उन्होंने टीम के सभी सदस्यों को श्रेय दिया है। नगर निगम के कड़े प्रयास और संवेदनशीलता के कारण शहर के लगभग 13 हजार जरूरतमंद परिवारों को करीब 31 करोड़ रुपये की ऋण राशि का वितरण किया गया है। इस आर्थिक संबल ने रेहड़ी-पटरी वालों और छोटे दुकानदारों को ब्याज के दुष्चक्र से मुक्त कराकर आत्मनिर्भरता की एक नई राह दिखाई है।

भौरगढ़ में अवैध रेत भंडारण पर प्रशासन की कार्रवाई, 8 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत जब्त

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 21 मई 2026 को उपसंचालक (खनिज प्रशासन) सुश्री फरहत जहां के निर्देश पर तहसील खैरलांजी के ग्राम भौरगढ़ में संयुक्त रूप से आकस्मिक जांच अभियान चलाया गया।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार खैरलांजी, खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल, नायब तहसीलदार डी.एल. परते तथा थाना खैरलांजी के पुलिस अमले ने ग्राम भौरगढ़ में मुख्य सड़क किनारे खनिज रेत का अवैध भंडारण पाए जाने पर जांच की। मौके पर लगभग 8 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत का भंडारण पाया गया।

जांच के दौरान उपस्थित किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त रेत के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या मालिकाना हक प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके चलते प्रशासन ने रेत को लावारिस मानते हुए अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध जप्ती की कार्रवाई की।

जप्त की गई रेत को अन्य वाहनों की सहायता से थाना खैरलांजी लाकर सुरक्षार्थ पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। मामले में नियमानुसार प्रकरण तैयार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

ढाबा के पास संदिग्ध हालत में मिली वृद्ध की लाश

नवभारत,जबलपुर। पनागर स्थित टॉप 10 ढाबा के पास आज उस वक्त सनसनी फैल गई जब लोगों ने संदिग्ध हालत में वृद्ध की लाश देखी। लाश मिलने की खबर आसपास के क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते कई लोग एकत्र हो गए, जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है।

पुलिस के अनुसार पनागर रोड पर सुबह राह चलते लोगों ने टॉप 10 ढाबा के पास वृद्ध को मृत हालत में देखा, जिसकी उम्र 70 वर्ष के करीब प्रतीत हो रही थी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई, देखा तो बुजुर्ग के दोनों हाथों, घुटनों और गले के पास गहरी खरोंचें व छिलने के निशान मिले हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाल रही है। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों से पूछताछ की, लेकिन बुजुर्ग के बारे में कोई सुराग नहीं मिल सका। मृतक की पहचान न हो पाने के कारण पुलिस के आसपास के सभी थानों और नजदीकी जिलों में बुजुर्ग की जानकारी भेज दी है ताकि लापता लोगों के रिकॉर्ड से इसका मिलान किया जा सके।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हो रहा इंतजार

घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान बुजुर्ग के शरीर पर पाई गईं संदिग्ध चोटें किसी हादसे या आपसी संघर्ष की ओर इशारा कर रही हैं।

नि :शुल्क सिलाई एवं ब्यूटीशियन प्रशिक्षण प्रारंभ

नवभारत, बैहर। घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से वन स्टॉप सेंटर बैहर में नि:शुल्क सिलाई एवं ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। यह पहल कलेक्टर श्री मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में तथा अशासकीय सामाजिक संस्था अनुश्री सेवा समिति के सहयोग से मिशन शक्ति 'हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन' अंतर्गत बेटी बचाओ योजना के तहत शुरू की गई है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रथम श्रेणी जिला न्यायाधीश शिवानी असाटी द्वारा फीता काटकर किया गया। इस

अवसर पर उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने एवं कौशल विकास के माध्यम से अपने जीवन को नई दिशा देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में अशासकीय सामाजिक संस्था अनुश्री सेवा समिति की अध्यक्ष भावना श्रीवास्तव ने महिलाओं को प्रशिक्षण की उपयोगिता, रोजगार के अवसर एवं स्वरोजगार की संभावनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक रचना चौधरी ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 20 महिलाओं को सिलाई एवं 16 महिलाओं को ब्यूटीशियन का एक माह का नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए भी आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।